Dainik Bhaskar (Indore), 06th July 2024, Page - 02

बड़ी उपलब्धि • 5 साल से रिसर्च में जुटी थी टीम, जल्द बाजार में आएगी, 20 साल वैध रहेगा पेटेंट

आईआईटी इंदौर के नाम एक और पेटेंट, ऐसी ब्लड टेस्ट किट बनाई, जो 15 साल पहले ही अल्जाइमर से सतर्क कर देगी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर के नाम एक और पेटेंट ग्रांट हुआ है। यह पेटेंट अल्जाइमर बीमारी का जल्द पता लगाने के लिए संस्था द्वारा बनाई गई एक किट के लिए मिला है। इसे जल्द ही बाजार में लाने पर काम किया जाएगा। ये पहली किट होगी, जिससे वायरसजनित अल्जाइमर बीमारी का समय से पहले पता लगाया जा सकता है। इसकी जांच 30-40 साल तक के लोगों पर भी की जा सकती है, जिससे इस बीमारी की भविष्य में कितनी आशंका है, इसका पता लगाया जा सकेगा।

इस प्रोजेक्ट पर डॉ. हेमचंद्र झा और उनकी टीम 5 साल से काम कर रही थी। वहीं इसे लेकर 2021 में पेटेंट के लिए आवेदन किया गया। गहन जांच और पड़ताल के बाद 1 जुलाई 2024 को टीम को पेटेंट दिया गया। इस टीम में डॉ. झा के साथ उनकी पीएचडी छात्राएं दीक्षा तिवारी और अन्नू रानी भी शामिल रही हैं। अब टीम इस किट को डायग्नोस्टिक सेंटर, हॉस्पिटल और अन्य जगहों पर सप्लाय करने और कमर्शियल रूप से इसे लाने पर काम करेगी। इस पूरे प्रोजेक्ट के लिए काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआईआर) के तहत फंडिंग प्रदान की गई थी। टीम को मिला पेटेंट 20 साल के लिए वैध होगा।

रिसर्च करने वाली टीम

सालों में उभरते हैं इस बीमारी के लक्षण

वर्तमान में अल्जाइमर की जांच केवल लक्षण दिखने पर ही की सकती है। इसके लक्षण और ये बीमारी कई सालों में दिखने लगती है, जबकि शोध में पता चला है कि उसकी शुरुआत अक्सर लक्षण दिखने के 10-15 साल पहले ही हो चुकी होती है।

किट इस तरह से काम करेगी

इसके लिए जांच के तीन तरीकों पर काम किया गया है। पहला- रियल टाइम पीसीआर टेस्ट, दूसरा डॉट-ब्लॉट टेस्ट और तीसरा एलाइजा टेस्ट। इसमें एंटीबॉडी का प्रशिक्षण होगा। इन सभी टेस्ट के माध्यम से खून में मौजूद एप्स्टीन बार वायरस के बीमारी पैदा करने वाले पेप्टाइड की जांच होगी। इसकी मात्रा बढ़ने पर टेस्ट में अल्जाइमर की आशंका का पता चल सकेगा और उसका इलाज शुरू हो सकेगा।